कुल पृष्ठ संख्या–32 (कवर पेज सहित)

क्रम संख्या....

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

उच्च माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

Candidate's Roll No. In English

(In Figures) [ ][ ][ ][ ][ ][ ][ ]

(In Words) .....

.....

परीक्षार्थी का नामांक हिन्दी में

शब्दों में - .....

.....

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी [✓] अंग्रेजी [ ]

विषय ..... भूगोल .....

परीक्षा का दिन ..... सोमवार .....

दिनांक ..... 22-06-20 .....

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य है, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।

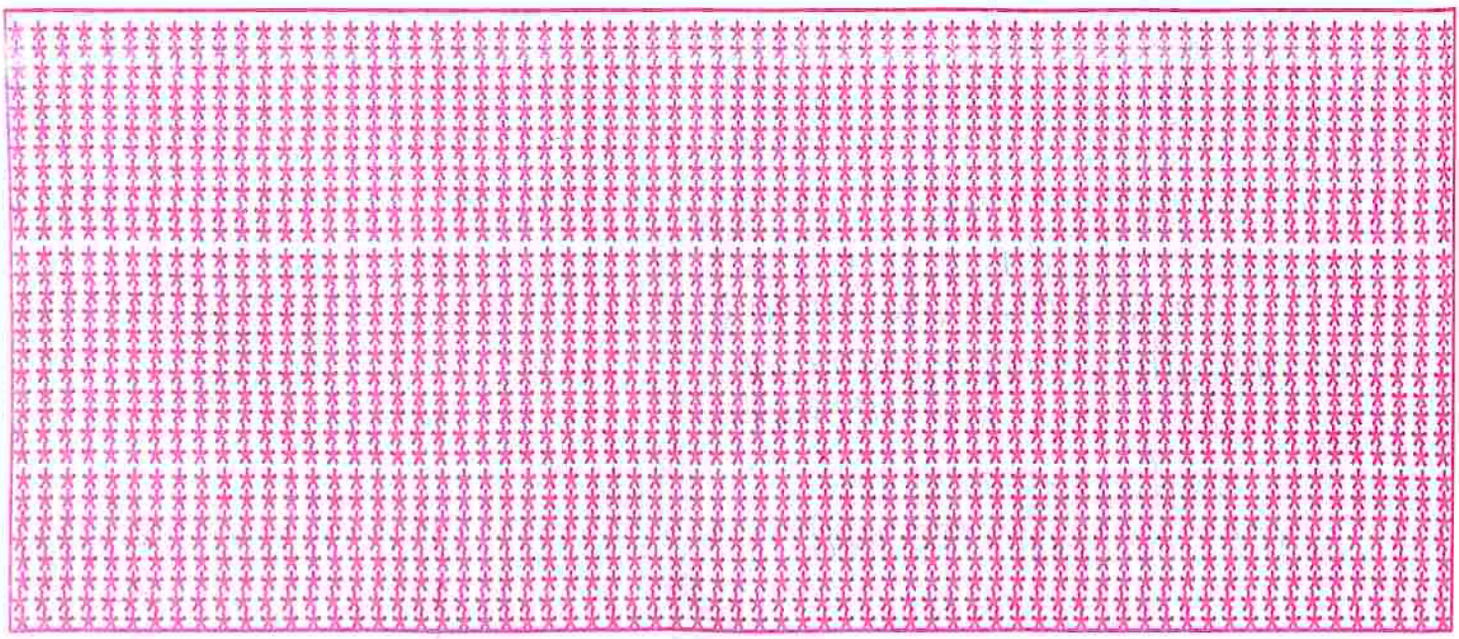
(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदारणार्थ : 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी (परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1		19	
2		20	
3		21	
4		22	
5		23	
6		24	
7		25	
8		26	
9		27	
10		28	
11		29	
12		30	
13		31	
14		योग	
15		प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16		अंकों में	शब्दों में
17			
18			

परीक्षक के हस्ताक्षर

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 58 जी.एस.एम. क्रीमवोव कागज ही उपयोग में लिया गया है। 167/2020



परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका पृथक से उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंषा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तकें, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रोनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध है।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबुल के आस–पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित है। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

खण्ड - अ

प्र.1.
उत्तर दो अमेरिकी भूगोलवेता :-
(i) एलन सैम्पल
(ii) कार्ल सॉवर

प्र.2.
उत्तर क्रोस :-
क्रोस बुशमैन जनजाति की महिलाओं का वस्त्र है। यह बिस्तर बंद होता है जिसमें वे अपने शिशु व वस्तुओं को रखती है।

प्र.3.
उत्तर आप्रवास :- जब अन्य स्थानों से लोग किसी स्थान विशेष के अन्दर आते है तो आप्रवास कहते है। जैसे - उत्तर अमेरिका में यूरोपीय देशों के लोग आकर बस गये।

प्र.4
उत्तर लिंगानुपात :-
जनसंख्या में स्त्री व पुरूषों की संख्या के अनुपात को लिंगानुपात कहते है।
सूत्र - $\frac{\text{स्त्रियों की संख्या}}{\text{पुरुषों की संख्या}} \times 1000$

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्र.5.
उत्तर बृहतनगर :-
जिन नगरों में जनसंख्या 50 लाख से अधिक पाई जाती है उन्हें बृहतनगर या मेगापोलिस नगर कहते है। जैसे - टोकियो, लंदन, न्यूयार्क आदि।

प्र.6.
उत्तर बस्ती :-
नगरों व गावों में कच्ची सड़कें, गलियों आदि के किनारे लोगों के कच्चे मकानों के समुह को बस्ती कहते है।

प्र.7.
उत्तर पशु आधारित उद्योग :-
जिन उद्योगों में पशुओं से प्राप्त कच्चा माल काम में लिया जाता है उन्हें पशु आधारित उद्योग कहते है।
जैसे - चमड़ा व ऊन उद्योग।

प्र.8.
उत्तर दो परम्परागत ऊर्जा संसाधन :-
(1.) कोयला
(2.) पेट्रोलियम

प्र.9.
उत्तर एल्युमिनियम का मुख्य स्रोत बॉक्साइट है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

प्र.10.
उत्तर अधात्विक खनिजों के दो उदाहरण:-

1. संगमरमर
2. जिप्सम

प्र.11.
उत्तर पूर्व - पश्चिम गलियारा असम के सिलचर को गुजरात के पोरबन्दर से 3640 Km में जोड़ता है।

प्र.12.
उत्तर भारत में राष्ट्रीय विकास परिषद का गठन 6 अगस्त 1952 को किया गया।

प्र.13.
उत्तर मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान:-

यह अभियान राजस्थान की जनसंख्या को पेयजल, सिंचाई आदि के लिये जल उपलब्ध करवाने के लिये चलाया गया था। इसमें जनता व सरकार दोनों की भागीदारी सुनिश्चित की गई।

खण्ड-ब

प्र.14.
उत्तर गोंड जनजाति के निवास क्षेत्र:-

गोंड शब्द की उत्पत्ति 'खोंड' से हुई जिसका अर्थ होता है 'पहाड़ी'

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

गोंड जनजाति अपने आप को 'कोइतूर' व 'कोल' कहती है।

1. गोंड जनजाति भारत में मध्यप्रदेश, झारखंड, उड़िसा, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र व आन्ध्रप्रदेश राज्यों में निवास करती है।

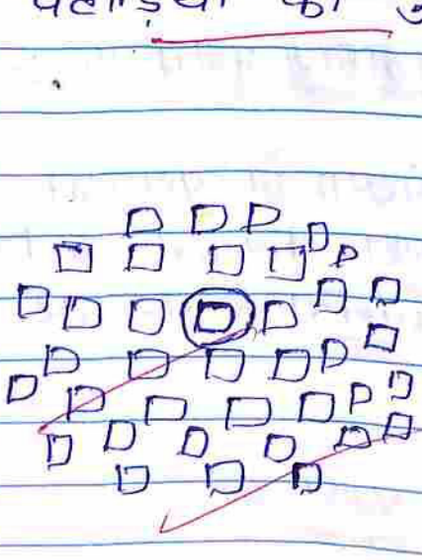
2. ये लोग सतपुड़ा पहाड़ी, मैकाल श्रेणी, सोन- देवगढ़ उच्च भूमि, बस्तर पहाड़ियों व गढ़जत पहाड़ियों में रहते है।

3. इनके निवास क्षेत्रों से देश की प्रमुख नदियाँ गोदावरी, महानदी, सोन, नर्मदा आदि निकलती है।

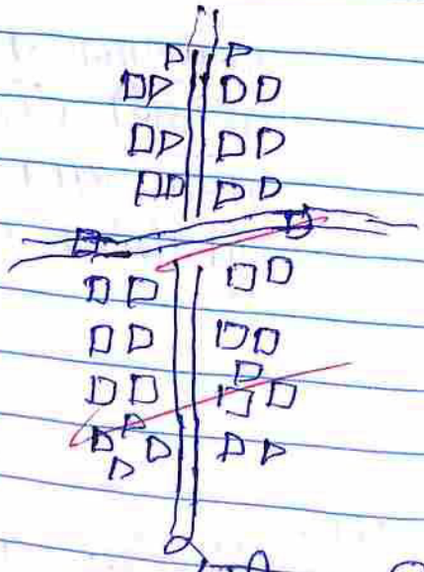
4. गोंड जनजाति के क्षेत्रो में वर्षा 40cm - 60 cm व तापमान 40°c से अधिक रहता है।

5. पहाड़ियों की ऊँचाई 600 - 900m होती है।

प्र.15.
उत्तर



वृत्ताकार प्रतिरूप



रेखीय प्रतिरूप

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्र.16.

उत्तर तृतीयक व्यवसाय:-

इसे 'सेवा' व्यवसाय भी कहते है। यह प्रत्यक्ष सेवा सेक्टर से संबंधित है। तृतीयक व्यवसाय में परिवहन, संचार, व्यापार, बैंक, बीमा, पर्यटन, मनोरंजन आदि को सम्मिलित किया गया है।

2. इस व्यवसाय में दुकानदार, वाहनकर्मी, बैंककर्मी, चिकित्सक, आदि सेवा उपलब्ध करवाने वाले व्यक्तियों को शामिल किया गया।

3. तृतीयक व्यवसाय में उत्पादन प्रणाली व उपभोग प्रणाली दोनों के द्वारा सेवा उपलब्ध कराई जाती है।

4. नगरों में अधिकांश जनसंख्या तृतीयक व्यवसाय में सम्मिलित होती है।

5. विकासशील देशों में कम व विकसित देशों में अधिक जनसंख्या इस व्यवसाय में सम्मिलित होती है।

6. तृतीयक व्यवसाय में संलग्न लोगों का आर्थिक स्तर उच्चा रहता है।

प्र.17.

उत्तर विश्व की चार प्रमुख पाइप लाइनों के नाम:-

पाइपलाइन आधुनिक परिवहन का साधन है जिसमें तेल, जल, प्राकृतिक आदि का सुरक्षित व सुगम परिवहन होता है। पाइपलाइन परिवहन में

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

ऊर्जा की बचत होती है वह प्रदुषण कम होता है। न्यूजीलैंड में उत्पादन केन्द्रों व फर्मों से कारखानों तक दूध का परिवहन पाइप लाइन द्वारा होता है। विश्व की प्रमुख 5 पाइप लाइनें निम्नलिखित है।

1. कॉमेकोन पाइपलाइन।
2. बिंगाइच पाइपलाइन।
3. टैप पाईपलाइन
4. हाजिरा - विजयपुर - जगदीशपुर (HBJ) पाइप लाइन।

प्र.18.

उ॰ अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के लाभ:-

विभिन्न राष्ट्रों के मध्य वस्तुओं एवं सेवाओं के होने वाले व्यापार को अंतर्राष्ट्रीय व्यापार कहते है। इसके दो लाभ निम्नलिखित है।

1. राष्ट्रीय आय में वृद्धि:- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में वस्तुओं के निर्यात से विदेशी मुद्रा प्राप्ती होती है जिससे प्रति व्यक्ति आय बढ़ती है व राष्ट्रीय आय में वृद्धि होती है।

2. उत्पादन में विशिष्टीकरण:- अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में लोगों द्वारा उन वस्तुओं के निर्यात में व उत्पादन में विशिष्टिकरण प्राप्त कर लिया जाता है जिन्हें वे अन्य देशों की अपेक्षा

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

कम लागत पर तैयार करते है।

प्र.8.

उत्तर जल प्रदूषण के नियंत्रण के चार उपाय:-

जल के भौतिक रासायनिक व जैविक गुणों में होने वाले अवांछित परिवर्तन को जल प्रदूषण कहा जाता है। इसके नियंत्रण के उपाय निम्नलिखित है।

1. शोधन कर उपयोग:- औद्योगिक अपशिष्ट युक्त जल को शोधन कर उपयोग में लेना चाहिए।

2. सीवर शोधन संयंत्र:- जल-मल के निस्तारण हेतु सीवर शोधन संयंत्रों की स्थापना करनी चाहिए।

3. जैविक कृषि:- रासायनिक कृषि के स्थान पर जैविक कृषि को प्राथमिकता देनी चाहिए।

4. विद्युत शव गृहों की स्थापना:- मृत पशु-शवों के नदी में विसर्जन पर रोक लगाना व विद्युत शव गृहों की स्थापना करना।

प्र20.

उत्तर भारत में साक्षरता को प्रभावित करने वाले चार कारक:-

15 वर्ष या उससे अधिक आयु के लोग जो किसी भी

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

भाषा को पढ़ या लिख सकते है उन्हें साक्षर जनसंख्या कहते है व इसके अनुपात को साक्षरता कहते है। इसे प्रभावित करने वाले कारक निम्नलिखित है।

1. जातीय संरचना:- भारत में जातीय संरचना का असंतुलन साक्षरता को प्रभावित करता है।

2. महिलाओं की स्थिति:- महिलाओं की जनसंख्या व उनकी आर्थिक स्थिति साक्षरता को प्रभावित करती है।

3. जीवनस्तर:- लोगों की प्रति व्यक्ति आय व जीवन स्तर साक्षरता को प्रभावित करता है।

4. परिवहन सुविधा:- परिवहन व संचार के साधन भी साक्षरता को प्रभावित करते है

प्रश्न 1,
उत्तर संसाधन संरक्षण:-

संसाधनों का नियोजित, विवेकपूर्ण, पुनर्भरण, मितव्ययतापूर्ण, क्षमतानुसार विनाशरहित उपयोग संसाधन संरक्षण कहलाता है।

संसाधन संरक्षण का अभिप्राय संसाधनों के बिलकुल उपयोग नही करने या कंजूसी से उपयोग करने से नहीं है बल्कि जिन संसाधनों की उपलब्धता कम है उनका

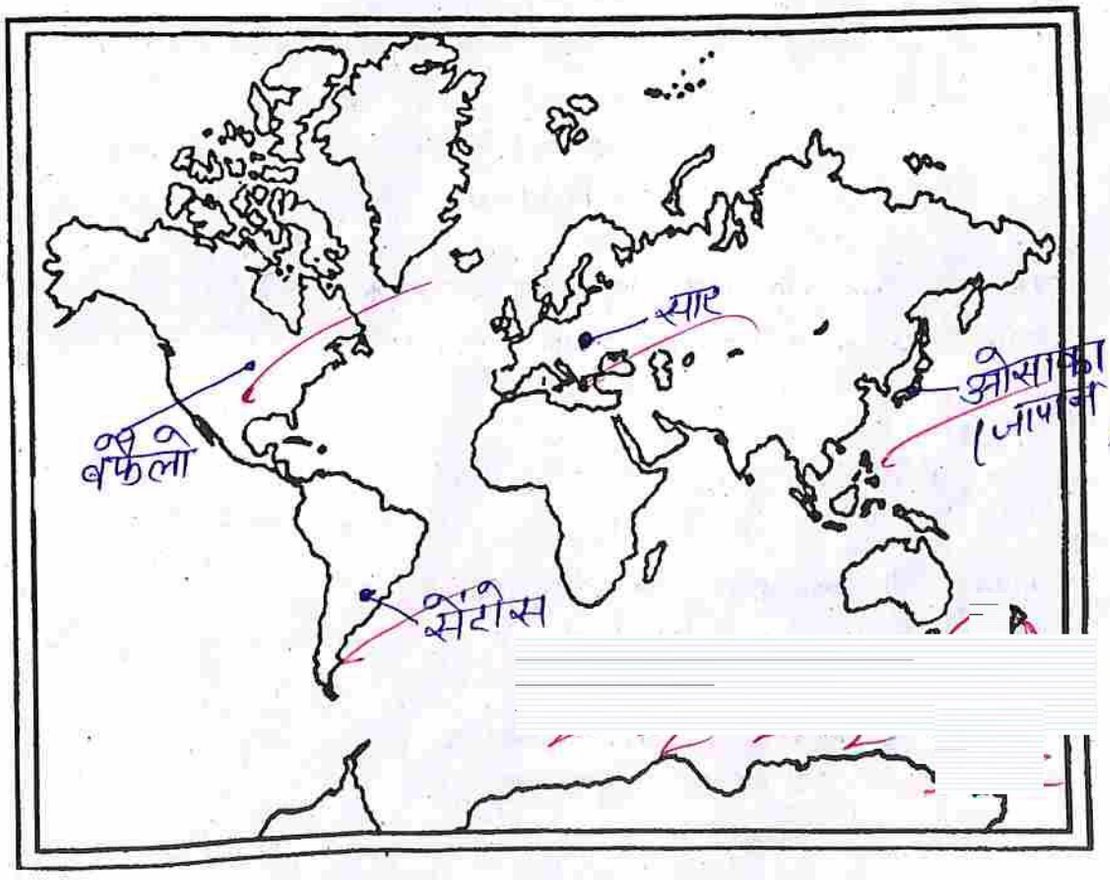
प्र. 22.
उत्तर

नामांक Roll No.

SS-14-Geog.

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2020
SENIOR SECONDARY EXAMINATION, 2020
भूगोल (GEOGRAPHY)

World Map



Cut Here यहा स काट

Cut Here यहा स काट

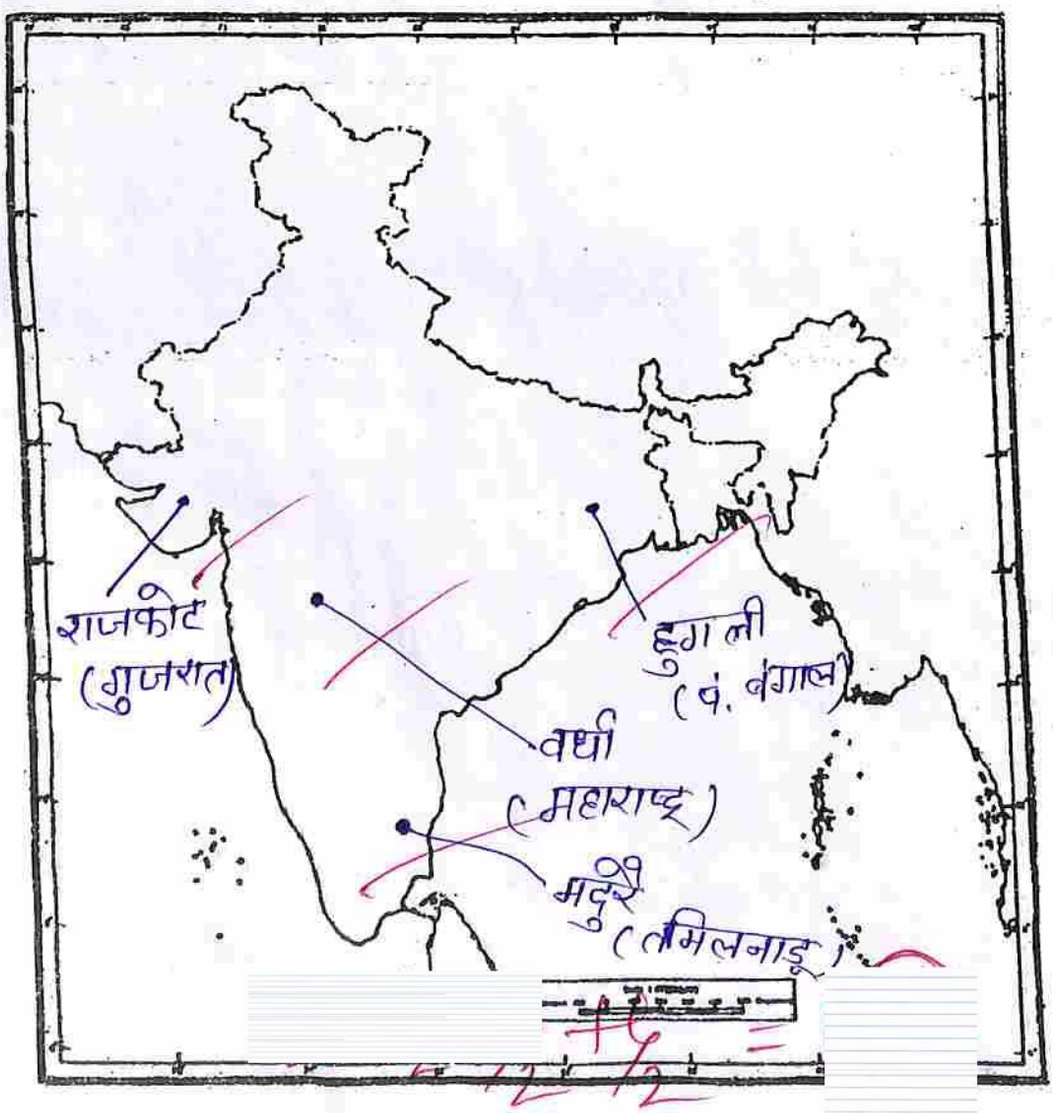
प्र. 23
उत्तर.

नामांक Roll No.

SS-14-Geog.

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2020
SENIOR SECONDARY EXAMINATION, 2020
भूगोल (GEOGRAPHY)

Outline Map of INDIA



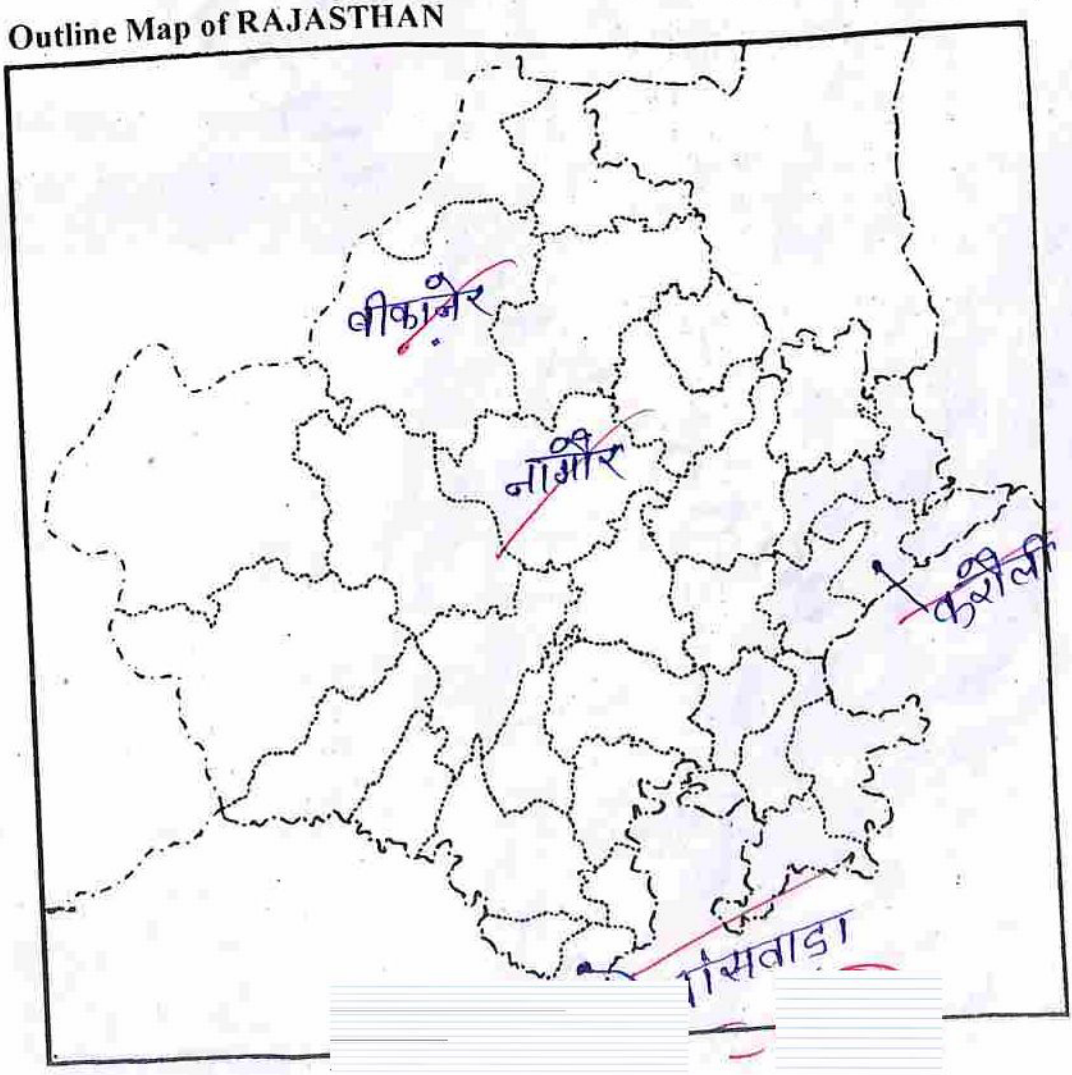
प्र.24.
उत्तर

नामांक Roll No.

SS-14-Geog.

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2020
SENIOR SECONDARY EXAMINATION, 2020
भूगोल (GEOGRAPHY)

Outline Map of RAJASTHAN



g.

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

उपयोग अति आवश्यक कार्यों में ही किया जाये जैसे विश्व में तांबे की उपलब्धता कम है इसलिए इसका उपयोग मशीनों के निर्माण व राष्ट्रीय महत्व के कार्यों में ही किया जाये। अन्य कार्यों में इसके प्रतिस्थापक के रूप में एल्युमिनियम का उपयोग किया जाये।

प्र. खण्ड - स

प्र.25.

उत्तर. पशुचारण :-

विश्व वभारत में पशुचारण व्यवसाय प्राथमिक क्रियाओं में एक महत्वपूर्ण व्यवसाय है। पशुओं से ऊन, चमड़ा, मांस, खोया, दूध, मावा आदि पौष्टिक पदार्थों की प्राप्ति होती है। विश्व में पशुचारण के 4 प्रमुख क्षेत्र है.

1. उष्ण कटिबंधीय घास क्षेत्र :- ये क्षेत्र 5° उत्तरी अक्षांश से 30° उत्तरी अक्षांश के मध्य स्थित है। इन क्षेत्रों में घास की ऊंचाई 1.8 - 3 m होती है। इनमें ब्राजील कम्पास, सूडान के सवाना घास के मैदान सम्मिलित है।

2. शीतोष्ण कटिबंधीय घास के मैदान :- ये 30° उत्तरी अक्षांश 45° उत्तरी अक्षांश के मध्य स्थित है। इनमें उत्तरी अमेरिका के प्रेयरीज व यूरेशिया के स्टेपीज घास के मैदान आदि

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

उपयोग अति आवश्यक कार्यों में ही किया जाये जैसे विश्व में तांबे की उपलब्धता कम है इसलिए इसका उपयोग मशीनों के निर्माण व राष्ट्रीय महत्व के कार्यों में ही किया जाये। अन्य कार्यों में इसके प्रतिस्थापक के रूप में एल्युमिनियम का उपयोग किया जाये।

प्र. खण्ड - स

प्र.25.

उत्तर. पशुचारण :-

विश्व वभारत में पशुचारण व्यवसाय प्राथमिक क्रियाओं में एक महत्वपूर्ण व्यवसाय है। पशुओं से ऊन, चमड़ा, मांस, खोया, दूध, मावा आदि पौष्टिक पदार्थों की प्राप्ति होती है। विश्व में पशुचारण के 4 प्रमुख क्षेत्र है.

1. उष्ण कटिबंधीय क्षेत्र :- घास

ये क्षेत्र 5° उत्तरी अक्षांश से 30° उत्तरी अक्षांश के मध्य स्थित है। इन क्षेत्रों में घास की ऊंचाई 1.8 - 3 m होती है। इनमें ब्राजील कम्पास, सूडान के सवाना घास के मैदान सम्मिलित है।

2. शीतोष्ण कटिबंधीय घास के मैदान :- ये 30° उत्तरी अक्षांश 45° उत्तरी अक्षांश के मध्य स्थित है। इनमें उत्तरी अमेरिका के प्रेयरीज व यूरेशिया के स्टेपीज घास के मैदान आदि

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

है।

3. मरुस्थलीय क्षेत्र:- सहारा, अरब, थार, कालाहारी मरुस्थल आदि।

4. पर्वतीय क्षेत्र।

पशुचारण के प्रकार:- 1. साधारण पशुचारण
2. वाणिज्यिक पशुचारण

अंतर

साधारण पशुचारण	व्यापारिक पशुचारण
1. इसमें पशु प्राकृतिक रूप से पाले जाते है उनकी विशेष देखभाल नहीं की जाती।	1. इसमें पशु व्यापारिक रूप से पाले जाते है उनकी विशेष देखभाल की जाती है।
2. इसमें पशुओं की विशेष देखभाल नहीं की जाती।	2. इसमें पशुओं की विशेष देखभाल की जाती है।
3. यह जीवन निर्वाह की आर्थिक क्रिया है।	3. यह व्यापार पर आधारित क्रिया है।

प्र.6.

उत्तर भारत में जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करने के उपाय:-

भारत का जनसंख्या की दृष्टि से विश्व में चीन के बाद दूसरा स्थान है। भारत की जनसंख्या सन 1991 में 84.64 करोड़

व 2001 में 102.7 करोड़ थी जो वर्तमान में 2011 में बढ़कर 121.05 करोड़ हो गई भारत में बढ़ती जनसंख्या वृद्धि को रोकने के 3 उपाय निम्नलिखित है-

(i) विवाह की आयु में वृद्धि :- 1. भारत में विवाह की आयु लड़कों के लिये 21 वर्ष व लड़कियों के लिये 18 वर्ष में वृद्धि करना आवश्यक है।
2. यदि लड़कियों की विवाह की आयु बढ़ेगी तो वे सामाजिक कार्यों में रुचि लेगी जिससे जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रित होगी।

(ii) उत्पादन में वृद्धि :- 1. मानव की भौतिक रुचि उत्पादन के साधनों में वृद्धि करने से बढ़ती है। उत्पादन के साधनों में वृद्धि से लोगों का
2. आर्थिक स्तर ऊँचा होगा जिससे वे भविष्य के लिये अनेक योजनाओं का निर्माण करेंगे व जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण संभव हो सकेगा।

(iii) परिवार कल्याण कार्यक्रमों का विस्तार :-
1. राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सरकारी व गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा परिवार कल्याण कार्यक्रमों का विस्तार करना चाहिए।
2. इन कार्यक्रमों की उचित क्रियान्विति के लिए अधिक से अधिक जनसंख्या को

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

अधिक से अधिक शिक्षित करना आवश्यक है।

प्र.7.

उ. महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारन्टी कार्यक्रम (मनरेगा):-

मनरेगा अधिनियम 5 सितम्बर 2005 को अधिसूचित किया गया व 2 फरवरी 2006 से आन्ध्रप्रदेश से देश के 100 पिछड़े जिलों में लागू किया गया। बाद में देश के शेष जिले जिनकी संख्या 645 है उनमें लागू किया गया। राजस्थान के 9 जिले प्रथम चरण में शामिल है। इस अधिनियम का उद्देश्य ग्रामीण परिवारों में वयस्क सदस्य जो अकुशल शारीरिक श्रम करने के इच्छुक है उनमें वर्ष में 100 दिन का गारन्टी शुदा रोजगार उपलब्ध करवाना।

मनरेगा का मुख्य प्रावधान:-

कोई भी वयस्क सदस्य रोजगार प्राप्ति हेतु आवेदन कर सकता है। जॉबकार्ड प्राप्त होने के बाद आवेदन ग्राम पंचायत में प्रस्तुत किया जाता है। आवेदन जमा करने के 15 दिन के भीतर आवेदक को रोजगार प्राप्त करवाना आवश्यक है वरना राज्य को बेरोजगारी भत्ता देना पड़ता है।

मनरेगा के प्रमुख लक्ष्य:-

1. ग्रामीण क्षेत्रों में अवसर संरचनात्मक सुविधाओं का विकास करके गरीबों को रोजगार उपलब्ध करवाना व उनकी आजीविका सुरक्षा को बढ़ाना।
2. प्रदेश के प्राकृतिक संसाधनों को बढ़ाना।
3. उपयोगी परिसम्पत्तियों का निर्माण करना।
4. महिलाओं का सशक्तिकरण करना।
5. जमीनी स्तर की लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को सुधारना।

देश में वर्ष 2013-14 में जॉबकार्ड प्राप्त व्यक्तियों संख्या 12,12,60,220 है। भारत विश्व में ग्रामीण व्यक्तियों को रोजगार उपलब्ध करवाने वाला प्रथम देश है।

खण्ड - ब

प्र28.
उत्तर विश्व में जनसंख्या घनत्व को प्रभावित करने वाले आर्थिक कारक:-

प्रति वर्ग km में निवास करने वाले लोगों की संख्या को जनसंख्या घनत्व कहा जाता है। इसमें जनसंख्या जमाव की मात्रा का मापन होता है। विश्व का जनसंख्या घनत्व 54 व्यक्ति प्रति वर्ग km है। सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व वाला देश बांग्लादेश (1033) है। विश्व में जनसंख्या

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

घनत्व में अधिक असमानता है एक ओर सिंगापुर में ७७७ व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मी है वही दूसरी ओर सहारा, ग्रीनलैंड आदि। व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मी से भी कम घनत्व है।

विश्व में महाद्वीपों के अनुसार जनसंख्या घनत्व एशिया में ११६, यूरोप में ७२, अफ्रिका में २७, उत्तरी अमेरिका में १६, दक्षिण अमेरिका में २० व ओशेनिया में जनसंख्या घनत्व ३ व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मी है। भारत का जनसंख्या घनत्व ३४४ प्रति वर्ग कि.मी है। इसे प्रभावित करने वाले आर्थिक कारक निम्नलिखित है-

1. खनिज:- खनिज निक्षेपो से युक्त क्षेत्र अधिक जनसंख्या को आकर्षित करते है। इसलिये कुशल व अकुशल श्रमिक इन क्षेत्रो में जाकर अपना स्थायी निवास बना लेते है इसलिये इन क्षेत्रो में अधिक जनसंख्या घनत्व पाया जाता है।
जैसे- अफ्रिका की कटंगा - जाम्बिया ताम्बा पेटी।

2. औद्योगिकरण:- औद्योगिकरण अत्यधिक मात्रा में रोजगार की गतिविधियां उत्पन्न करती है। इनमें मनुष्य के जीवनयापन के लिए अनेक आर्थिक सुविधाएं प्राप्त हो जाती है। औद्योगिकरण अत्यधिक मात्रा में उद्योगो को आकृष्ट करते है जिनमें श्रमिकों

की अधिक आवश्यकता होती है।
जैसे. जापान का कोबे - ओसाका प्रदेश उद्योगों के कारण सर्वाधिक जनसंख्या को आकृष्ट करता है।

3. नगरीकरण :- नगरों में जनसंख्या घुनत्व अधिकाधिक मात्रा में पाया जाता है। नगरों में मिलने वाली भौतिक सुविधाएँ व नगरीय जीवन का आकर्षण लोगों को अपनी ओर खिंचता है। नगरों में परिवहन की सुविधा उपलब्ध होती है तथा शिक्षा व तकनीकी विकास का स्तर उच्च पाया जाता है।

4. सामाजिक - आर्थिक - धार्मिक व राजनैतिक स्थिति :-

(i) शान्ति व्यवस्था व धार्मिक महत्व के कारण कुछ स्थान जनसंख्या को अधिक मात्रा में आकर्षित करते है।

(ii) कई सरकारें लोगों को सुघन स्थानों से चले जाने व विरल स्थानों में बसने के लिए प्रोत्साहित करती है।

(iii) लोग उन क्षेत्रों को छोड़कर चले जाते है जहा पर राजनीतिक अशान्ति व उथल-पुथल होती है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्र.29.

उत्तर: जैविक कृषि व रासायनिक कृषि में अंतर:-

विश्व में जैविक कृषि की जगह रासायनिक कृषि का प्रचलन बढ़ रहा है। इसके कई दुष्परिणाम सामने आये है।

अंतर

जैविक कृषि	रासायनिक कृषि
1. जैविक खाद व परम्परागत तरीके से की जाने वाली कृषि को जैविक कृषि कहते है।	1. रासायनिक खाद व कीटनाशको के प्रयोग से की जाने वाली कृषि को रासायनिक कृषि कहते है।
2. जैविक खाद घर व फर्मो में तैयार की जाती है।	2. रासायनिक खाद कारखानो मे तैयार की जाती है।
3. जैविक कृषि में मानव श्रम अधिक लगता है।	3. रासायनिक कृषि में मानव श्रम कम लगता है।
4. जैविक कृषि से भूमि का उपजाऊपन बढ़ता है।	4. रासायनिक कृषि से भूमि की उर्वरा शक्ति समाप्त होती है।
5. जैविक कृषि में पर्यावरण के साथ आदर्श स्थिता बनाये हुए उत्पादन बढ़ाया जाता है।	5. रासायनिक कृषि में पर्यावरण के साथ लाभ हानि सोचे बिना उत्पादन बढ़ाया जाता है।

द्वारा अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर	
	6.	जैविक कृषि उपज मनुष्य के लिये उपयोगी होती है इनका स्वास्थ्य पर अनुकूल प्रभाव पड़ता है।	6. रासायनिक कृषि उपज मनुष्य के लिए हानिकारक होती है इसका स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है
	7.	जैविक कृषि में जल की आवश्यकता अधिक होती है।	7. रासायनिक कृषि में जल का अधिक उपयोग किया जाता है।
	8.	जैविक कृषि से जल का प्रदूषण नहीं होता।	8. रासायनिक कृषि में जल प्रदूषण होता है।
	9.	जैविक कृषि में कुक्कुट पिट, वर्मी कम्पोस्ट, गोबर खाद प्रयोग की जाती है।	9. रासायनिक कृषि में अमोनियम सल्फेट, नाइट्रोजन खाद आदि प्रयोग की जाती है।
	10.	जैविक कृषि प्रकृति पर निर्भर होती है क्योंकि बीज जंगल से, खाद पशुओं से व जल प्राकृतिक साधनों से तथा श्रम मनुष्य स्वयं करता है।	रासायनिक कृषि पूरी तरह से बाजार पर निर्भर होती है। खाद बीज, यंत्र, उपकरण, आदि बाजार से प्राप्त किये जाते है।
	11.	जैविक कृषि मानव जीवन के लिये उपयोगी है।	11. रासायनिक कृषि मानव के लिये हानिकारक है।
	12.	जैविक कृषि में पर्यावरण प्रदूषण नहीं होता।	12. रासायनिक कृषि में पर्यावरण प्रदूषण होता है।

BSER-167/2020
BSER-167/2020

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्र.उ.

उत्तर मीणा जनजाति के सामाजिक जीवन का विश्लेषणात्मक अध्ययन :-

राजस्थान में आदिव
जनसंख्या की दृष्टि से मीणा जनजाति का प्रथम स्थान है। यह जयपुर, दौसा, अलव सीकर, सवाईमाधोपुर आदि जिलों में पा जाती है। मीणा शब्द की उत्पत्ति 'मीन' शब्द से हुई जिसका अर्थ है 'मछली मीणा जनजाति की उत्पत्ति मत्स्य अवत से हुई। मुनि मगन सागर द्वारा रचित मीणो पुराण में 5200 गोत्र 32 तड़ पाल है। मीणाओं के मुख्य रूप से दो वर्ग है 1. चौकीदार मीणा 2. जमींद मीणा। इसके अलावा आदिया, पैंशवा, चौ मीणा भी पाये जाते है।

सामाजिक जीवन

परिवार :- मीणा जनजाति में संयुक्त परि प्रथा प्रचलित है। पिता परिवार का मुखिय होता है। नि: संतान दम्पति को गोद लेने का अधिकार होता है।

विवाह :- मीणा जनजाति विवाह प्राय: कम उम्र में ही कर देते है परन्तु लड़किय का गौणा योग्य आयु में ही किया जा है। इनमें विवाह के कई तरीके प्रचलि है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

पंचायत:- मीणा जनजाति में पंचायत का महत्वपूर्ण स्थान होता है। पंचायत के पांच स्तर होते है। ग्राम पंचायत, गोत्र पंचायत, क्षेत्रीय पंचायत व चौरासी पंचायत। सबसे बड़ी पंचायत चौरासी पंचायत होती है। इनमें सामाजिक झगड़ों, अपराधों आदि को सुलझाया जाता है।

मेले व त्यौहार:- मीणा जनजाति में कई मेले व त्यौहार मनाये जाते है। ये आगुन को गंभीरता से लेते है। सीकर के रेवासा में जीणमाता का मेला, रणथम्भौर में गणेशजी का मेला आदि इनके प्रमुख मेले है। उदयपुर के खेरवाड़ा में मीणा जनजाति द्वारा नेजा नृत्य किया जाता है।

वस्त्र:- मीणा जनजाति में पुरुष धोती, कमीज और साफा तथा पेंट व शर्ट पहनते है। स्त्रियां घाघरा, कांचली व लुगड़ी ओढ़ती है। ये सोने, चांदी, तांबा आदि के गहने पहनते है।

शिक्षा का प्रसार:- मीणा जनजाति में नगरों के समीप आने के कारण शिक्षा का प्रसार तेजी से हुआ। सरकार द्वारा आरक्षण प्राप्त होने के कारण इस जनजाति के आर्थिक जीवन में सुधार हुआ है, पुलिस

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

वर्ग, सैनिक वर्ग, प्रशासनिक वर्ग आदि में मीणाओं के कुछ वर्ग प्रतिस्थापित है। इस जनजाति ने अन्य जनजातियों की तुलना में आरक्षण का अधिक लाभ उठाया है।

अर्थव्यवस्था :- मीणा जनजाति में आज भी अधिक लोग कृषि व सहायक कार्यों में संलग्न है। मीणा जनजाति में बटाईदार कृषि का प्रचलन है। इस जनजाति में शिक्षा का प्रसार हुआ है।

समाप्त